कृषि उत्पादों का उत्पादन और खपत

325. **श्री नेरश यादव:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1997-98 तथा 1998-99 के दौरान देश में विभिन्न कृषि उत्पादन की तुलना में उनकी खपत क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में स्थिति का कोई राज्य-वार आकलन किया है;

(ग) क्या खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता/खपत को बनाये रखा जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता/खपत का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) से (घ) 1997 तथा 1998 के दौरान विभिन्न खाद्यान्नों का उत्पादन तथा उपलब्धता/मनुष्यों द्वारा की जाने वाली खपत को दर्शाने वाला विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)** हाल के वर्षों में खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 171 से 187 कि.ग्रा० की सीमा में कायम की गई है। खाद्यान्नों की उपलब्धता/खपत का राज्यवार ब्यौरा नहीं रखा जाता है।

विवरण

खाद्यान्नों का उत्पादन तथा उपलब्धता/मनुष्यों द्वारा की जाने वाली खपत

(मिलियन मी० टन में)

जिंस	वर्ष	उत्पादन	खपत
चावल	1997	81.73	76.92
	1998 (पी)	82.30	75.85
गेहूं	1997	69.35	61.70
	1998 (पी)	65.90	53.96
अनाज	1997	185.19	164.19
	1998 (पी)	179.36	152.77
दालें	1997	14.25	13.08
	1998 (पी)	13.07	11.70
खाद्यान्न	1997	199.44	177.27
	1998 (पी)	192.43	164.47

गंगा के जल द्वारा भूक्षरण

326. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश एवं बिहार में गंगा नदी के जल से होने वाले भूक्षरण की समस्या के संबंध में कोई अध्ययन कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) से (ग) जल संसाधन मंत्रालय के अंतर्गत गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग ने अध्ययन किए हैं और गंगा घाटी के लिए व्यापक योजनाएं तैयार की हैं और अनुवर्ती कार्रवाई हेतु इन्हें घाटी वाले सभी राज्यों को भेजा गया